Total Pages : 4 Roll No. .....

LM-101/LM-1001

Law and Social Transformation in India

(भारत में विधि एवं सामाजिक परिवर्तन)

Master of Law (LLM-11/12/16/17)

First Year, Examination, 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

SECTION–A/(खण्ड-क)

(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains five (05) long answer type questions of fifteen (15) marks each. Learners are required to answer any three (03) questions only. (3×15=45)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन प्रश्नों के उत्तर देना हैं।

1. "The process of social transformation is not simple mathematical process producing desired results." Comment and explain.

"सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया सामान्य गणितीय प्रक्रिया नहीं है। जिसके वांछित परिणाम निकलते हैं।" समीक्षा कीजिए तथा उदाहरण दीजिए।

2. Point out the positive and negative role of religion in the growth of law in India.

भारत में विधि के विकास में धर्म की सकारात्मक और नकारात्मक भूमिका बताइए।

3. Discuss Gandhian philosophy of sarvodaya and discuss its principles. How far this philosophy is relevant in the present century ?

गांधी जी के सर्वोदय दर्शन पर प्रकाश डालिए और इसके सिद्धान्त बताइए। यह दर्शन वर्तमान सदी में कहां तक संगत है?

4. In the light of contemparary developments, point out the limits of law in introducing population control in India.

समकालीन घटनाक्रम के आलोक में भारत में जनसंख्या नियंत्रण विधि लागू करने की सीमाएं बताइए।

5. Write a critical essay on Sexual Harassment of women at workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतिदोष) अधिनियम 2013 पर आलोचनात्मक लेख लिखें।

SECTION–B/(खण्ड-ख)

(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of seven (07) marks each. Learners are required to answer any five (05) questions only. (5×7=35)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Point out the role of law in Social change in India after 1950.

1950 के पश्चात् के भारत में सामाजिक परिवर्तन में विधि की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

2. What is common law and how far it finds place in the constitution of India, 1950 ?

कॉमन-लॉ (सामान्य विधि) से आप क्या समझते हैं और यह भारत के संविधान, 1950 में किस सीमा तक है?

3. Point out role of caste in evolution of an egalitarian society.

एक समतावादी समाज के विकास में जाति की भूमिका इंगित कीजिए।

4. Summarise the provisions of the protection, of children from Sexual offences, Act, 2012.

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के उपबंधो का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

5. Point out the subject matter of the constitution (Eighty Sixth Amendment 86th) Act, 2002.

संविधान (छिवासिवां 86th) अधिनियम, 2002 की विषय वस्तु का उल्लेख कीजिए।

6. Write a critical note on Shayara Bano V. Union of India (2017 S.C.)

सायरा बानो ब. भारत संघ (2017 सु.को.) के निर्णय पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

7. Explain sarvodaya philosophy of Vinoba Bhave.

विनोबा भावे का सार्वोदय दर्शन बताइए।

8. How far abolition of Zamindari was consistent with constitutional philosophy ?

जमींदारी उन्नमूलन सांविधानिक दर्शन के कितनी संगत थी?